11 हजार करोड़ रुपये के निवेश से सूबे में लगेंगे 25 डिस्टलरी प्लांट

ग्राउंड ब्रेकिंग में एक तिहाई निवेश को धरातल पर उतारने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआइएस-23) में हासिल हुए 33.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की विभागीय प्रतिस्पर्धा में आबकारी विभाग तमाम विभागों को पीछे छोड़ता नजर आ रहा है। यूपी जीआइएस की सितंबर-अक्टूबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में आबकारी विभाग ने तय निवेश लक्ष्य का एक तिहाई जमीन पर उतारने की तैयारी की है। विभाग को डिस्टलरी सेक्टर से 33 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हासिल हुए थे, इनमें 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश भूमि पूजन के दौरान जमीन पर उतरता दिखाई देगा।

बता दें कि यूपी जीआइएस की पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य तय किया गया है। आबकारी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि 25 कंपनियां भूमि पूजन के लिए तैयार है। यूपी जीआइएस में हासिल 33 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों में से 11,383 करोड़ रुपये के निवेश से नए डिस्टलरी प्लांट लगेंगे। कहा, हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द डिस्टलरी का निर्माण पूरा कराकर उत्पादन शुरू कराएं, ताकि शराब निर्यात में भी प्रदेश पहले पायदान पर पहुंचे। एथनाल उत्पादन में यूपी अन्य राज्यों से आगे है।

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT 10-12 FEBRUARY, 2023

33 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव हासिल हुए थे डिस्टलरी सेक्टर के लिए

6,990 को मिलेगा रोजगार

भूमि पूजन की सहमति देने देने वाली डिस्टलरी सेक्टर की कंपनियों प्रस्तावित निवेश के साथ-साथ रोजगार सृजन के आंकड़े भी साझा किए हैं। कंपनियों से उत्पादन शुरू होने की स्थिति में 6,990 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

भूमि पूजन के लिए तैयार कंपनियों में ये भी शामिल

कंपनी	निवेश प्रस्ताव	रोजगार सृजन	स्थान
ग्लाइको अरुणा प्राइवेट लिमिटेड	80.03	155	सुलतानपुर
डालमिया भारत शुगर	170	130	सीतापुर
श्री गंगा इंडस्ट्रीज	300	200	हरदोई
डीसीएम श्रीराम लिमिटेड	500	100	हरदोई
जुआरी इंवेन बायो एनर्जी	200	100	लखीमपुर खीरी
ग्लोब्स स्प्रिटस लि.	200	200	लखीमपुर खीरी
सेकसारिया बिसवान शुगर फैक्ट्री	132	20	सीतापुर
सिटी गोल्ड इंडस्ट्रियल प्रा. लि.	5850	1500	सीतापुर, बिजनौर, पीलीभीत